PIC: VAIBHAV SHUKLA

संस्थापक दिवस पर जेके मंदिर की छटा कुछ अलग दिखाई दी.

जब सतरंगी रोशनी से नहाया जेके मंदिर

जेके संगठन ने मनाया 138 वां संस्थापक दिवस

KANPUR (11 Nov): जेके मंदिर परिसर में शुक्रवार को जेके संगठन का 138 वां संस्थापक दिवस धूमधाम से मनाया गया. प्रोग्राम का शुभारंभ चीफ गेस्ट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व सीएम के मुख्य सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने दीप प्रज्जवलित कर किया. जेके संगठन के निदेशक अभिषेक सिंहानिया ने अतिथियों का समारोह में आने के लिए धन्यवाद किया. कहा कि जेके संगठन की नींव तब रखी गई, जब हमारा देश अशांति व विपरीत परिस्थितियों से गुजर रहा था. लाला कमलापत सिंहानिया ने उत्तर भारत में पहली कॉटन मिल की स्थापना की. साथ ही उन्होंने एक विशाल साम्राज्य का स्वप्न देखा और उसे हकीकत करने के लिए दिन रात एक कर दिया. प्रोग्राम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल में रंग भर दिया. सुशीला सिंहानिया, मनोरमा गोविंद हरि जी सिंहानिया, अभिषेक सिंहानिया, वर्षा सिंहानिया, वेदांग सिंहानिया, मनीष मनसिंह, सर पद्मपत सिंहानिया एजूकेशन सेंटर के वाइस चेयरमैन व निदेशक पार्थो पीकर आदि मौजूद रहे.

जेके समूह के 138वें स्थापना दिवस पर आरएसएस के संयुक्त महासचिव ने कहा-सेवा व उदारता की भावना जगाई

'सौ साल बाद के भारत का ख्वाब पूरा किया'

समारोह

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल ने कहा कि जेके घराने ने आजादी के 100 साल बाद के भारत का सपना पूरा किया। 138 साल पहले विपरीत परिस्थितियों ने जुग्गीलाल कमलापत ने 800 साल की गुलामी की जंजीरों से बंधे देश में भौतिक व आध्यात्मिक क्रांति की नींव रखी। यह विचार कमला नगर में जेके आर्गनाइजेशन के 138वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि 138 वर्ष पूर्व सिंहानिया परिवार ने उद्योग व आध्यात्मिक जगत के नए आयाम शुरू किए। उस समय देश पराधीन था। 800-900 वर्ष की गुलामी से संघर्ष के दौरान देश सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, अध्यात्म के क्षेत्र में कमजोर हो रहा है। 12वी व 13 वीं शताब्दी में विश्व में भारत की वित्तीय साझेदारी 25 फीसदी थी। गुलामी के दौर में देश की हिस्सेदारी गिर चुकी थी। 1901 में स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा से जमशेद टाटा ने स्टील का उद्योग लगाकर अंग्रेजों को चुनौती दी। औद्योगिक क्रांति में दादा भाई नौरोजी, महात्मा गांधी, मदनमोहन मालवीय, लोकमान्य तिलक ने जोर दिया। प्रताड़ना, अवरोध, प्रतिरोध के बीच जेके समूह इस क्रांति का हिस्सा बना। भौतिक उन्नति के साथ आध्यात्मिक, समाज, शिक्षा, खेलकूद, चिकित्सा की उन्नति पर भी ध्यान दिया। समाज में सेवा व उदारता की भावना इस समूह ने जगाई।

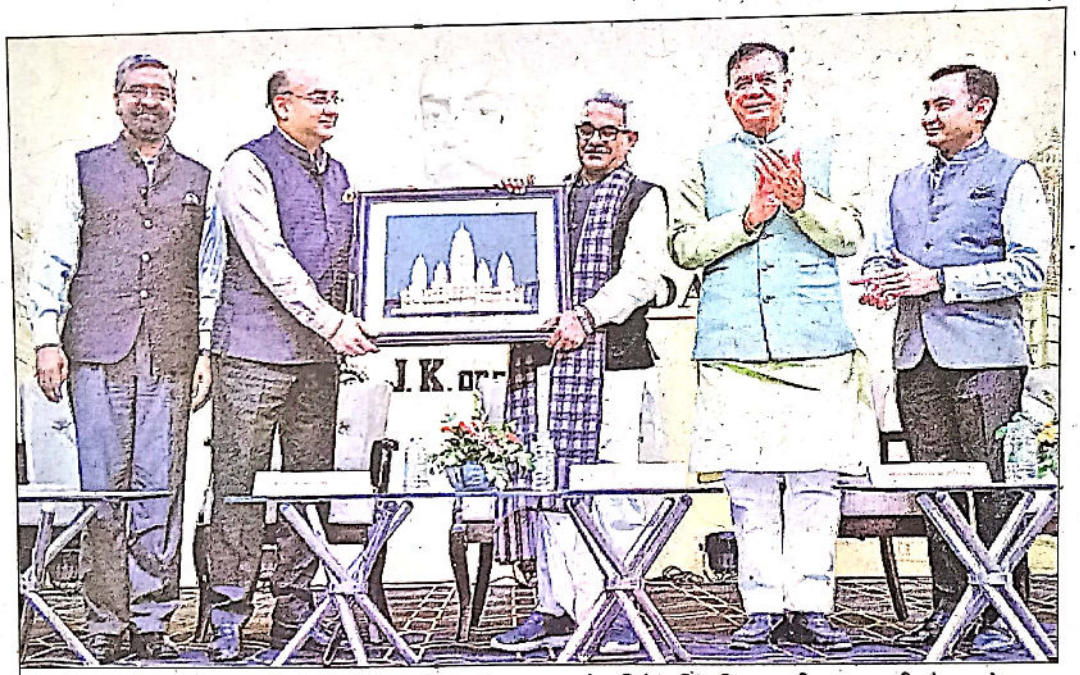

स्थापना दिवस पर आरएसएस के संयुक्त महासचिव का स्वागत करते अभिषेक सिंहानिया। सतीश महाना भी मौजूद रहे।

उत्तर भारत में पहली कॉटन मिल को किया स्थापित

जेके समूह के निदेशक अभिषेक सिंहानिया ने कहा कि लाला कमला पत सिंहानिया ने उत्तर भारत में पहली काटन मिल आजादी के संघर्ष के दौरान स्थापित की। उन्होंने कॉटन मिल की स्थापना के साथ नव भारत का सपना देखा। उस सपना को पूरा करने के लिए उन्होंने दिन-रात एक कर दिया था। यह हमारी जिम्मेदारी है कि जेके समूह के 138 वर्ष पुरानी विश्वास, मानवता व विनम्रता की विरासत को संभालें। जेके समूह की सुशीला सिंहानिया, मनोरमा गोविंद हरि सिंहानिया, वर्षा सिंहानिया, वेदांग सिंहानिया, मनीष मनसिंहका, वैरिस्टर नरेंद्रजीत सिंह सर पदमपत एजुकेशन सेंटर के वाइस चेयरमैन पार्थो पी कर, गोपाल दीक्षित आदि मौजूद रहे।

समूह पर शहर को नाज

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि जेके समूह पर कानपुर के लोगों को नाज है। कहीं जाने पर कानपुर का हर व्यक्ति यहीं बताता है कि वह जेके के शहर से आया है। जेके समूह ने हमेशा समाज के विकास को प्राथमिकता दी है।

वीणा पर मगन हो गए सब

पद्मभूषण व ग्रैमी अवार्ड विजेता विश्व मोहन भट्ट ने वीणा के तार छोड़े तो सब मधुर सुरों की गंगा में डूब गए। गणेश वंदना राग भोपाली पर प्रस्तुत की तो सब लीन हो गए। फिर एक के बाद एक वीणा वादन पर ताल देकर मगन होते रहे।

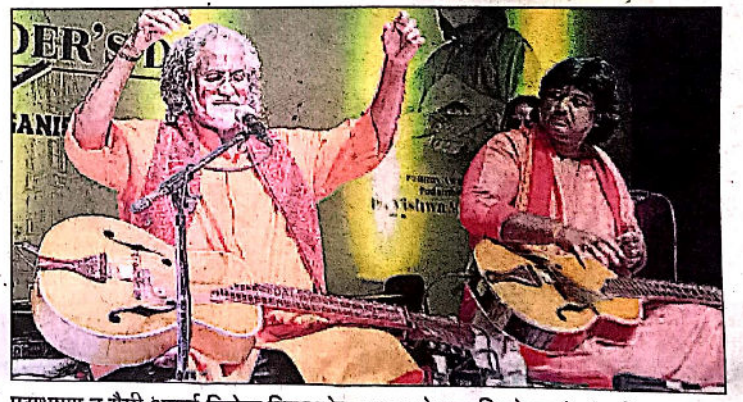

पद्मभूषण व ग्रैमी अवार्ड विजेता विश्व मोहन भट्ट ने प्रस्तुति से समां बांध दिया।

जेके संगठन के संस्थापक दिवस पर सुर, लय और ताल का संगम

138 वें संस्थापक दिवस पर पद्मभूषण और ग्रैमी अवार्ड विजेता पंडित विश्व मोहन भट्ट की वीणा की धुन सें भक्तिमय हुआ जेके मंदिर

उद्योग और अध्यात्म जगत में जेके संगठन ने स्थापित किए कई बड़े आयाम, प्रगतिशील भारत के विकास में समूह का विशेष योगदान

जागरण संवाददाता, कानपुर : जेके संगठन के 138वें संस्थापक दिवस के आयोजन में सुर, लय और ताल के संगम ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पद्मभूषण और ग्रैमी अवार्ड विजेता पंडित विश्व मोहन भट्ट ने वीणा की धुन से हर किसी को मंत्रमुग्ध किया। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डा. कृष्ण गोपाल और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उद्योग और आध्यात्म जगत में जेके संगठन अतुलनीय योगदान से जनमानस को परिचित कराया। वीणा की धुन के बीच जेके मंदिर का मनोहारी दृश्य हर किसी को आकर्षित कर रहा था।

शुक्रवार को जेके मंदिर परिसर में 138वें संस्थापक दिवस का उद्घाटन मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डा. कृष्ण गोपाल, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, जेके संगठन के निदेशक अभिषेक सिंहानिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। डा. कृष्ण गोपाल ने उद्योग और अध्यात्म जगत के साथ कला क्षेत्र में जेके संगठन के प्रयास और प्राप्त आयाम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि प्रगति के पथ पर अग्रसर भारत के विकास में जेके संगठन का हमेशा योगदान रहा है। आध्यात्मिक उन्नति भौतिक संपन्नता के साथ होनी चाहिए। यह काम जेके संगठन ने किया है। उद्योग और अध्यात्म के साथ स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में भी जेके संगठन का कार्य हमेशा याद किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि संघ के सरसंघचालक रहे रज्जू भइया कहा करते थे कि परिवर्तन सरकार से नहीं समाज से आता है और जेके संगठन समाज के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर जेके सीमेंट की चेयरपर्सन सुशीला सिंहानिया, जेके समूह से मनोरमा गोविंद हरि सिंहानिया, वर्षा सिंहानिया, वेदांग सिंहानिया, दैनिक जागरण के सीएमडी एवं संपादकीय निदेशक डा. महेन्द्र मोहन गुप्त, दैनिक जागरण के निदेशक सुनील गुप्त और संदीप गुप्त, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक वीरेंद्रजीत सिंह, विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई, विधायक नीलिमा कटियार, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, जेके काटन मिल के निदेशक मनीष मान सिंह, सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के वाइस चेयरमैन व निदेशक पार्थो पी कर मौजूद रहे।

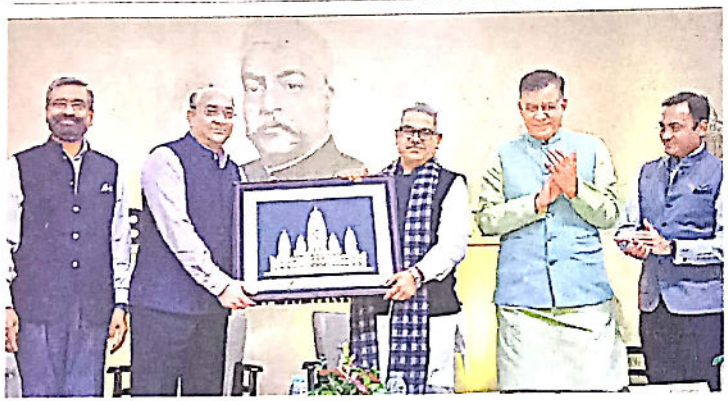

संघ के सह सरकार्यवाह डा.कृष्ण गोपाल (दाएं से तीसरे) को स्मृति चिह्न देते जेके संगठन के निदेशक अभिषेक सिंहानिया (बाएं से दूसरे)। साथ में विस अध्यक्ष सतीश महाना (दाएं से दूसरे), सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के निदेशक पार्थोपी .कर (बाएं) व जेके काटन मिल के निदेशक मनीष मान सिंह (दाएं) ● जागरण

जेके संगठन के संस्थापक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते पद्मभूषण एवं ग्रैमी पुरस्कार विजेता पं .विश्व मोहन भट्ट (बाएं) व पं .सलिल मोहन भट्ट (दाएं) ● जागरण

वीणा के साथ तबले की थाप से अलंकृत हुई कार्यक्रम संध्या : संस्थापक दिवस समारोह पर पंडित विश्व मोहन भट्ट और उनके बेटे सलिल मोहन भट्ट ने वीणा के तारों से सुर छेड़कर संध्या कार्यक्रम को अलंकृत कर दिया। तबले की थाप के बीच वीणा के तारों से निकले सुरों ने शास्त्रीय संगीत की ऐसी मोहक छाप छोड़ी कि हर कोई झूम उठा। गणेश वंदना और श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी... की प्रस्तुति ने माहौल भक्तिमय कर दिया। इससे पहले सर पदमपत सिंहानिया स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक नृत्य से लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

यह और अन्य खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने का लिया संकल्प

जेके संगठन के 138वें संस्थापक दिवस पर मंदिर परिसर में हुआ कार्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। जेके संगठन के 138वें संस्थापक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जेके मंदिर परिसर में विशेष आयोजन किया गया। इस मौके पर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने समाजसेवा के क्षेत्र में अपने योगदान को जारी रखते हुए देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि आजादी के पहले से ही देश में स्वदेशी को लेकर जो मुहिम जमशेद जी टाटा ने शुरू की थी। उसी दिशा में जेके संगठन ने भी अपने कार्यों का बखूबी निर्वहन किया है। औद्योगिक के साथ अध्यात्म के क्षेत्र में इस संगठन ने काफी काम किया है। कहा कि देश में ज्यादा से ज्यादा उद्योग लगने चाहिए, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

बताया कि दुनिया के 25 प्रतिशत लोगों को कपड़ा मुहैया कराने का काम भारत करता है। जो यहां के औद्योगिक इकाइयों से संभव हो जाता है। जेके संगठन के निदेशक अभिषेक सिंहानिया ने बताया कि उत्तर भारत की पहली कॉटन मिल जेके संगठन ने स्थापित की थी। उनका कहना है कि यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि इस विरासत को बखूबी संभालें।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि उद्योग के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और समाजसेवा ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां पर जेके संगठन का योगदान न दिखता हो।

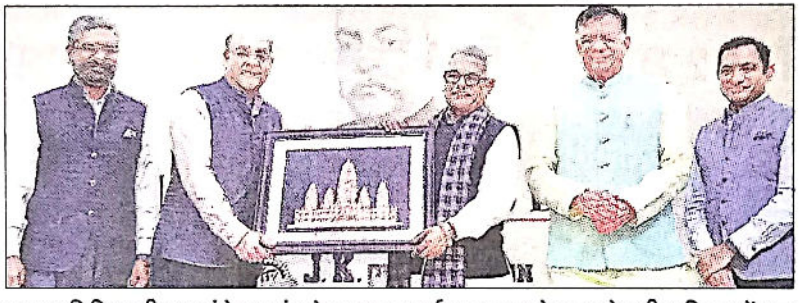

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह कृष्ण गोपाल को प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित करते निदेशक अभिषेक सिंहानिया, साथ में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना। संवाद

कार्यक्रम में गणेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुत करतीं सर पदमपत सिंहानिया स्कूल की छात्राएं। संवाद

ये लोग रहे मौजूद

- सांसद सत्यदेव पचौरी, देवेंद्र सिंह भोले, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी, प्रांत प्रचारक श्रीराम, प्रांत सह कार्यवाह भवानी भीख, सलिल विश्नोई, सुशीला सिंहानिया, मनोरमा गोविंद हरि सिंहानिया, वर्षा सिंहानिया, वेदांग सिंहानिया, जेके कॉटन मिल के निदेशक मनीष मनसिंहका, सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के वाइस चेयरमैन व निदेशक पार्थो पी. कर, संजीव पाठक बॉबी।

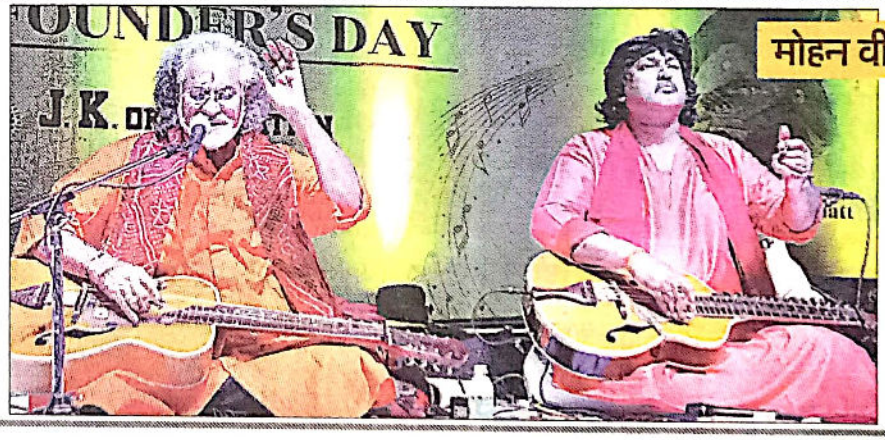

मोहन वीणा से सजी संध्या

- संस्थापक दिवस की संध्या मोहन वीणा की धुन से झंकृत रही। ग्रैमी पुरस्कार विजेता विश्व मोहन भट्ट ने वीणा की स्वर लहरी से सभी को मंत्र मुग्ध किया। इस बीच मंदिर दर्शन और आरती का कार्यक्रम भी हुआ।

आज

वीणा की तान से झंकृत हुए दिलों के तार

राग भोपाली में दादरा, मारू विहाग, जोग में अपनी रचनाएं बजायीं

मोहन वीणा बजाते पं. विश्व मोहन भट्ट व सलिल भट्ट।

मुख्य अतिथि कृष्ण गोपाल को प्रतीक चिन्ह देते जे.के. आर्गेनाइजेशन के निदेशक अभिषेक सिंहानिया।

कानपुर, 11 नवम्बर। जे.के. आर्गेनाइजेशन के 138वें संस्थापक दिवस के अवसर पर आज शाम जे.के. मंदिर परिसर में पदमभूषण एवं ग्रैमी पुरस्कार विजेता मोहन वीणा एवं विश्व वीणा के सृजन पं. विश्व मोहन भट्ट व सलिल भट्ट ने अपने सुमधुर वीणा-वादन से लोगों के दिलों के तारों को झंकृत कर दिया और वाद्ययंत्रों की सुरीली झनकार से शास्त्रीय संगीत सुनकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गये। श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी...भजनों के संग संगीत के सुर गूंज उठे। पं. विश्व मोहन ने राग भोपाली के दादरा बजाया। इसके साथ ही राग मारू विहाग बजाने के साथ ही दर्शकों के दिलों के तार बजने लगे और वे सुर-संगीत की बेला में डूब गये। सन 1994 में ग्रैमी पुरस्कार पाये पं. विश्व मोहन ने राग जोग में अपनी रचनाएं बजायीं तो सभी मंत्रमुग्ध हो गये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल ने कहाकि टाटा, बिड़ला के बाद जे.के. समूह का नाम आता है। जिन्होंने देश के उद्योग और आध्यात्मिक जगत में अपनी पहचान बनाई है। देश पराधीनता के समय संघर्ष के दौरान भी जे.के.समूह ने जे.के. काटन की नींव रखीं और स्वावलंबी की ओर अपना कदम बढ़ाया। 12 व 13वीं शताब्दी में वर्ल्ड इकोनामी में 25 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी थी, पर ब्रिटिश शासन काल में उद्योग, अध्यात्म सब नष्ट हो गया था। जे.के. समूह के मजबूत कदम की बदौलत उद्योग, भौतिक और अध्यामित्क

देश पराधीनता के समय जे.के. समूह ने नींव रखी, भौतिक व अध्यात्मिक उन्नति की

उन्नति की ओर बढ़ा है। हम सभी को समाज में उद्योगों को बढावा देने के साथ जिम्मेदारी भी निभानी होगी। विस अध्यक्ष सतीश महाना ने कहाकि मेरी प्रारम्भिक शिक्षा जे.के कालोनी के स्कूल से हुई है। देश-दुनिया में जे.के. समूह नाम से शहरवासी भी गौरान्वित महसूस होते है। इससे पहले मुख्य अतिथि कृष्ण गोपाल, विशिष्ट विस अध्यक्ष सतीश महाना, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी, जे.के. आर्गेनाइजेशन के निदेशक अभिषेक सिंहानिया आदि ने लाला कमलापत सिहानिया की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सुशीला सिंहानिया, मनोरमा गोविंद हरि सिंहानिया, अभिषेक सिंहानिया, श्रीमती वर्षा सिंहानिया, वेदांग सिंहानिया, जे.के. काटन मिल के निदेशक मनीष मनसिंह, महापौर प्रमिला पांडे व पुलिस अधिकारी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मल्लिका ने किया।

वाराणसी में ब्रह्मलीन अनंत श्री विभूषित श्रीमज्जगद्गुरु विष्णुस्वामी सम्प्रदायाचार्य श्री यमुनाचार्य जी महाराज 'षष्ठ श्री सतुआ बाबा' की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शिरकत की।

—— योगी आदित्य

जेके समूह ने देश को दुनिया भर में प्रसिद्धि दिलायी : कृष्ण गोपाल

समाज के विकास को जेके समूह ने सदैव दी प्राथमिकता : महाना

समूह के 138वें स्थापना दिवस पर पद्मभूषण पं. विश्वमोहन भट्ट ने किया वीणा वादन

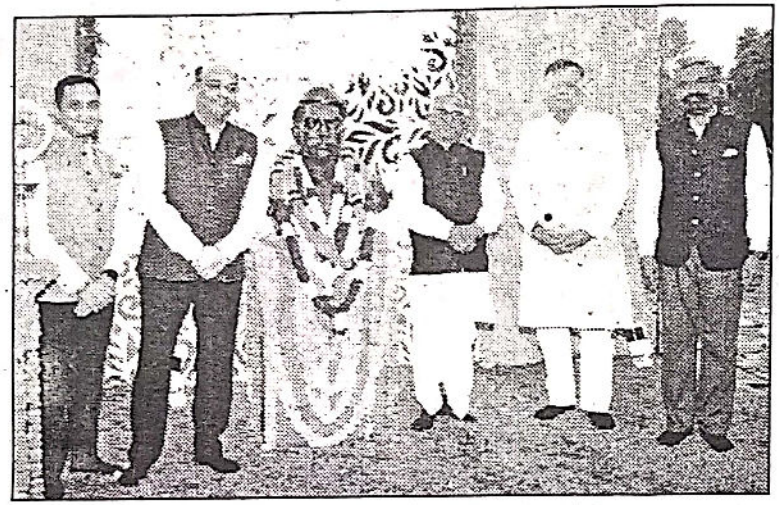

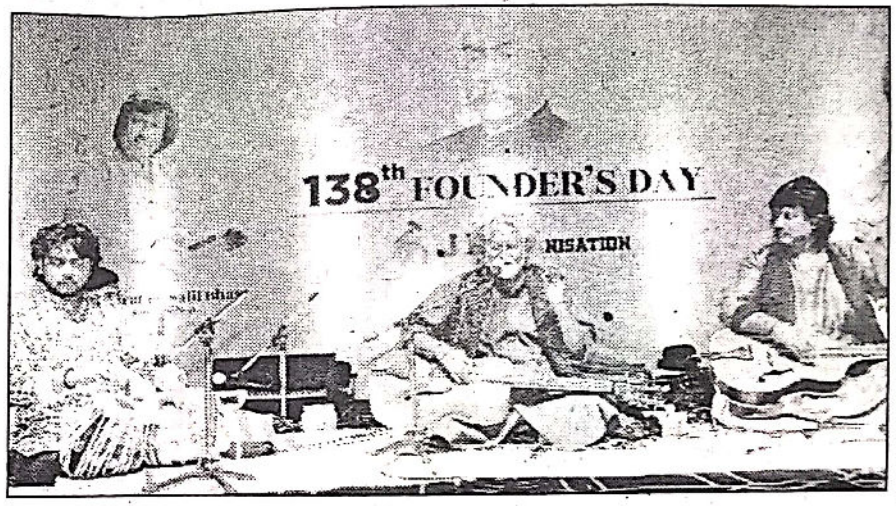

जेके मंदिर में जेके संगठन के 138वें संस्थापक दिवस कार्यक्रम के शुभारंभ पर उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल जी व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, साथ में निदेशक जेके संगठन अभिषेक सिंहानिया व अन्य एवं प्रस्तुति देते पद्मभूषण व ग्रैमी पुरस्कार विजेता पंडित विश्व मोहन भट्ट व साथ में सलिल भट्ट। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। जेके मंदिर में शुक्रवार शाम जेके समूह ने अपने 138वें स्थापना दिवस का आयोजन किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल ने कहा कि जेके समूह ने देश को दुनिया भर में प्रसिद्धि दिलायी है। विशिष्ट अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सिंघानिया परिवार के गुणगान किये।

स्थापना दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृष्ण गोपाल ने कहा कि जेके समूह ने राष्ट्र के विकास में अद्वितीय योगदान किया है। संगठन कार्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिविलिटी शब्द को लोकप्रिय बनाता गया। देशभर में जेके समूह को स्वास्थ्य, खेल, शिक्षा और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में अपनी सामाजिक सेवा के लिये जाना जाता है। उन्होंने बताया कि एक समय था जब देश में टाटा, बिड़ला के साथ जेके समूह का नाम लिया जाता था। वर्तमान में जेके समूह अनेक क्षेत्रों में देश के विकास के लिये कार्य कर रहा है। समूह विश्व पटल पर अपना स्थान बनायेगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सतीश महाना ने कहा कि मैं तो जेके कॉलोनी में जेके के स्कूल से शिक्षा आरंभ करने वालों में हूं। उन्होंने कहा कि कोई भी उद्योग तब तक सफल नहीं हो सकता, जब तक वह अपने देश और देशवासियों के लिये लाभप्रद न हो। जेके समूह ने सदैव समाज के विकास को प्राथमिकता दी है, जो राष्ट्र के लिये एक अमूल्य संपत्ति है।

जेके समूह के निदेशक अभिषेक सिंहानिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि जेके समूह की स्थापना ऐसे समय पर हुयी, जब देश अशांति, विपत्ति के दौर से गुजर रहा था। लाला कमलापत सिंघानिया ने उत्तर भारत में पहली कॉटन मिल स्थापित की। मिल की नींव रखने के साथ उन्होंने विशाल साम्राज्य का स्वप्न देखा और उसे हकीकत में बदलने के लिये दिन रात एक कर दिये। समूह का वर्तमान स्वरूप उन्हीं के प्रयासों का परिणाम है। लाला कमलापत एक कर्मयोगी थे। उनका कहना था कि वर्तमान में यदि हम पूरी निष्ठा, लगन से अपने कार्य को करते हैं, तो हमें भविष्य में सम्मानजनक, सुंदर जीवन की प्राप्ति से कोई रोक नहीं पायेगा। अब हमारी जिम्मेदारी है कि 138 साल पुरानी विरासत को विश्वास, मानवता और विनम्रता के साथ संभालें। वर्तमान में जेके समूह बहुराष्ट्रीय समूह के रूप में सेवारत है। विदेशों में भी समूह का डंका बजता जा रहा है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पद्मभूषण और ग्रैमी पुरस्कार विजेता मोहन वीणा के सृजनकर्ता पंडित विश्व मोहन भट्ट रहे, उन्होंने सुमधुर वीणा वादन कर उपस्थित समूह को वीणा के तारों से झंकृत किया। इस मौके पर सुशीला सिंहानिया, मनोरमा गोविंद हरि सिंहानिया, अभिषेक सिंहानिया, वर्षा सिंहानिया, वेदांग सिंहानिया, कॉटन मिल के निदेशक मनीष मनसिंहका आदि रहे। सिंहानिया एजूकेशन सेंटर के वाइस चेयरमैन पार्थो पी कर ने मंदिर में आरती, प्रसाद वितरण के साथ सभी का आभार व्यक्त किया।

Tributes paid to JK Group's founder on organization's 138th founder's day

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: The 138th founder's day celebration of JK organization was celebrated on Friday at the JK Temple premises to recall the glorious past, successes and achievements and to pay tribute to JK Group's founder Lala Kamlapat Singhania.

Krishna Gopal, joint general secretary of Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS), was the chief guest on the occasion while UP Assembly Speaker Satish Mahana was the guest of honour. Others present at the function were Awanish Kumar Awasthi, advisor to the chief minister, local MP Satyadev Pachauri and Devendra Singh Bhole, MP from Akbarpur.

Speaking on the occasion the chief guest said, "The JK Organization has not only brought fame to the city but also to the nation. Its role in the development of the nation goes unsaid". The term 'Corporate Social Responsibility (CSR) was popularized by the organization.

The organization is recognized all over India for its social service in the field of health, sports, education, and spirituality, he said. "No industry can succeed unless it is beneficial to its country and its people. JK Organization has always added to the headway of society and is an endless asset to the nation", said Assembly Speaker Mahana

Director of JK Organisation Abhishek Singhania, in his welcome address greeted the esteemed guests and expressed a deep sense of appreciation to all for sparing their valuable time to grace the occasion. He said Lala Kamalapat Ji was a great 'karmayogi', his dedication towards work and his whole life was devoted to the service of his people and the nation. He set an example of social upliftment, patriotism, tireless work and devotion to God, he said.

The guests at the JK temple witnessed a soulful performance by veena maestro Padma Bhushan and Grammy Award recipient Pandit Vishwa Mohan Bhatt. He immersed the audience by displaying his dexterity with veena strings.

Om Chauhan

Padma Bhushan and Grammy Award recipient Pt Vishwa Mohan Bhatt performing at JK Group's founder's day function in the city on Friday